भारत सरकार

भारी उद्योग मंत्रालय

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2923

10.03.2026 को उत्तर के लिए नियत

सहायक इकाइयों के भारी उद्योग

2923. श्री नीरज मौर्य:

क्या भारी **उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का आत्मनिर्भर भारत योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के आंवला में इफको जैसे प्रमुख औद्योगिक प्रतिष्ठानों के लिए सहायक इकाइयों के रूप में नए भारी उद्योगों की स्थापना करने का प्रस्ताव है;

(ख) क्या उक्त क्षेत्र में भारी उद्योगों की कमी के कारण कुशल तकनीकी युवाओं को अन्यत्र पलायन करने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है और इस मुद्दे के समाधान के लिए किसी विशेष औद्योगिक पैकेज की घोषणा की गई है;

(ग) क्या सरकार का आंवला में इलेक्ट्रिक वाहनों के कलपुर्जों के विनिर्माण के लिए एक कलपुर्जा क्लस्टर स्थापित करने का प्रस्ताव है;

(घ) उक्त क्षेत्र में बंद पड़ी मशीनरी इकाइयों के पुनरुद्धार के लिए अब तक कितना बजट आवंटित किया गया है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

भारी उद्योग राज्य मंत्री

(श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)

(क) और (ख) : चूँकि उद्योग भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची के अनुसार राज्य का विषय है, इसलिए भारी उद्योग मंत्रालय आंवला, उत्तर प्रदेश सहित देश के किसी भी हिस्से में, नए भारी उद्योगों की स्थापना से संबंधित कोई केंद्रीकृत आँकड़े नहीं रखता है।

(ग) : भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) के पास ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

(घ) और (ङ) : प्रश्न ही नहीं उठता ।

***